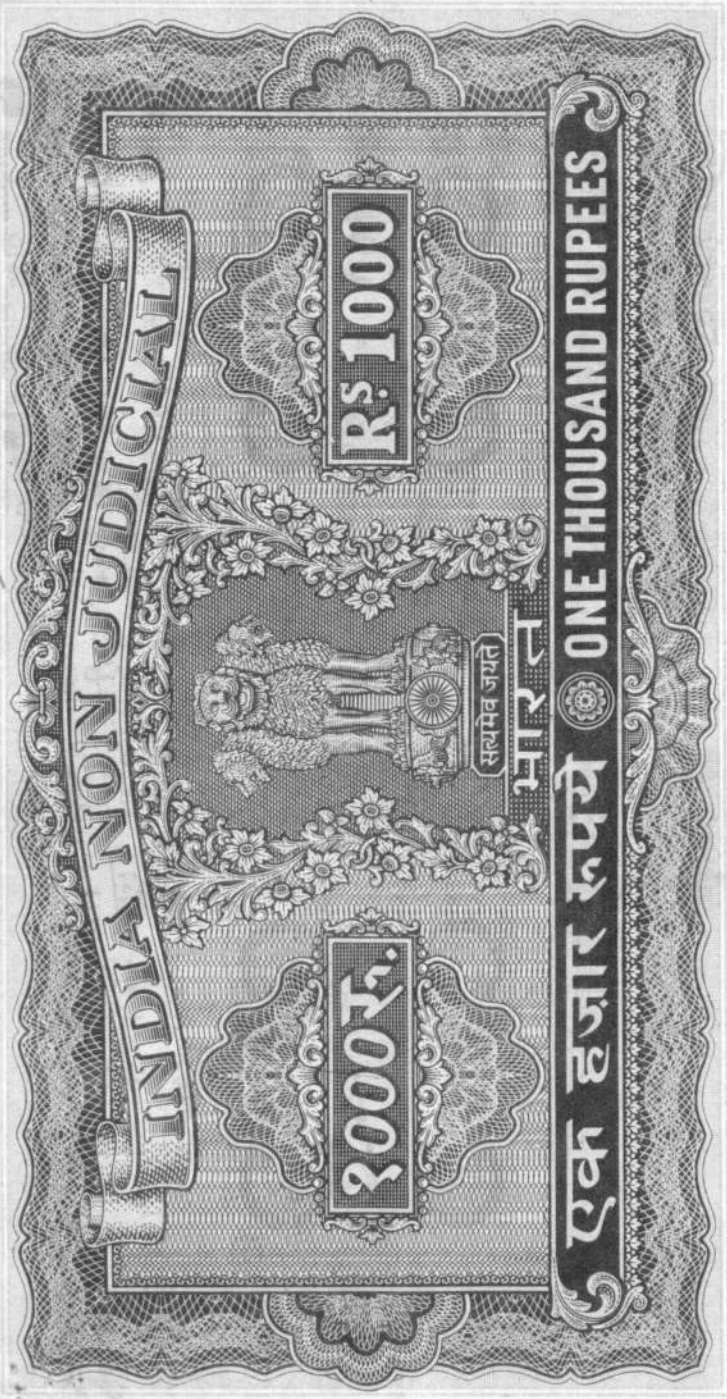


3387

1000RS.



बैनामत 8610/- स्टाम्प 1.125/- रुपये



Photo Attested

Advocate

Rzh. Sardhana (Meerut)

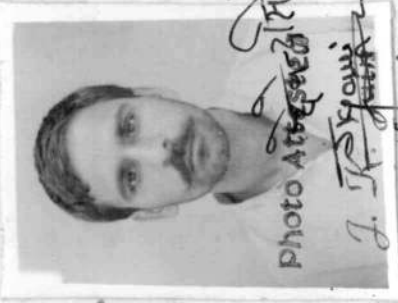


Photo Attested

Advocate

Rzh. Sardhana (Meerut)



Photo Attested

Advocate

Rzh. Sardhana (Meerut)



Photo Attested

Advocate

Rzh. Sardhana (Meerut)

हम कि नरेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह पुत्राणं भंवर सिंह निवासीगण ग्राम
दौराला परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ का इस लेख
द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि हम निम्नीलिखित अवल सम्पत्ति के संक्रमणीय
भूमिधर है, तथा निम्न सम्पत्ति बेचने के हमे पूर्ण अधिकार है जो हर
प्रकार के श्रृणं भार व हस्तान्तरण आदि से मुक्त है किसी व्यक्ति संस्था
या सरकार की कोई देनदारी विहित सम्पत्ति पर नहीं है और जिसमें
हमारे अतिरिक्त अन्य कोई भी किसी प्रकार का भागीदार नहीं है। और

नरेन्द्र सिंह

देवेन्द्र सिंह



-2-

विक्रित सम्पत्ति की बाबत हमने अब से पूर्व कोई माह्यदा अन्य किसी के साथ नहीं कर रखा। जिसके हस्तान्तरण के पूर्ण अधिकार जो हमारे पूर्ण स्वयं कब्जे और अधिकार में है हमको प्राप्त है जिसकी बाजारी कीमत भूमि सेवटा अव्वल आबी होने के कारण 8610/- आठ हजार छः सो दस रुपये से अधिक नहीं है, जिसके हस्तान्तरण में ही हमारा व हमारे परिवार का लाभ सुविधा है। अतः निम्नलिखित सम्पत्ति की मय तत्सम्बन्धी समस्त अधिकारों के बिना कोई अंश व भाग बचाये स्वस्थ बूढ़ प्रसन्नता व हार्दिक इच्छा से बिना किसी दबाव व बहकाव के बदले अंकन 8610/- आठ हजार छः सो दस रुपये में कि अधे जिसके अंकन 4305/- चार हजार तीन सो पांच रुपये होते है हाथ श्री मैर्स दौराला ओशेनित्स लि० पंजोक्त अन्तर्गत 1956 कम्पनी अधिनियम, हिमालय हाउस कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री तिलकधर पुत्र डा० लाल बन्धोहर निवासी राजहट्ट मार्ग नई दिल्ली सूबा दिल्ली के दूतया बय किया पूर्णतया बेच दिया ओर बिबिधम क्रेता से नकद समुख सब रजिस्टार सधना के प्राप्त किये ओर रुपये के बदले विक्रित भूमि पर

जोहन्स सिद्ध

२०-३/११८

691 ता. 21/9/25
 690 में प्राणित किया गया
 689
 688
 687
 686
 685
 684
 683
 682
 681
 680
 679
 678
 677
 676
 675
 674
 673
 672
 671
 670
 669
 668
 667
 666
 665
 664
 663
 662
 661
 660
 659
 658
 657
 656
 655
 654
 653
 652
 651
 650
 649
 648
 647
 646
 645
 644
 643
 642
 641
 640
 639
 638
 637
 636
 635
 634
 633
 632
 631
 630
 629
 628
 627
 626
 625
 624
 623
 622
 621
 620
 619
 618
 617
 616
 615
 614
 613
 612
 611
 610
 609
 608
 607
 606
 605
 604
 603
 602
 601
 600
 599
 598
 597
 596
 595
 594
 593
 592
 591
 590
 589
 588
 587
 586
 585
 584
 583
 582
 581
 580
 579
 578
 577
 576
 575
 574
 573
 572
 571
 570
 569
 568
 567
 566
 565
 564
 563
 562
 561
 560
 559
 558
 557
 556
 555
 554
 553
 552
 551
 550
 549
 548
 547
 546
 545
 544
 543
 542
 541
 540
 539
 538
 537
 536
 535
 534
 533
 532
 531
 530
 529
 528
 527
 526
 525
 524
 523
 522
 521
 520
 519
 518
 517
 516
 515
 514
 513
 512
 511
 510
 509
 508
 507
 506
 505
 504
 503
 502
 501
 500
 499
 498
 497
 496
 495
 494
 493
 492
 491
 490
 489
 488
 487
 486
 485
 484
 483
 482
 481
 480
 479
 478
 477
 476
 475
 474
 473
 472
 471
 470
 469
 468
 467
 466
 465
 464
 463
 462
 461
 460
 459
 458
 457
 456
 455
 454
 453
 452
 451
 450
 449
 448
 447
 446
 445
 444
 443
 442
 441
 440
 439
 438
 437
 436
 435
 434
 433
 432
 431
 430
 429
 428
 427
 426
 425
 424
 423
 422
 421
 420
 419
 418
 417
 416
 415
 414
 413
 412
 411
 410
 409
 408
 407
 406
 405
 404
 403
 402
 401
 400
 399
 398
 397
 396
 395
 394
 393
 392
 391
 390
 389
 388
 387
 386
 385
 384
 383
 382
 381
 380
 379
 378
 377
 376
 375
 374
 373
 372
 371
 370
 369
 368
 367
 366
 365
 364
 363
 362
 361
 360
 359
 358
 357
 356
 355
 354
 353
 352
 351
 350
 349
 348
 347
 346
 345
 344
 343
 342
 341
 340
 339
 338
 337
 336
 335
 334
 333
 332
 331
 330
 329
 328
 327
 326
 325
 324
 323
 322
 321
 320
 319
 318
 317
 316
 315
 314
 313
 312
 311
 310
 309
 308
 307
 306
 305
 304
 303
 302
 301
 300
 299
 298
 297
 296
 295
 294
 293
 292
 291
 290
 289
 288
 287
 286
 285
 284
 283
 282
 281
 280
 279
 278
 277
 276
 275
 274
 273
 272
 271
 270
 269
 268
 267
 266
 265
 264
 263
 262
 261
 260
 259
 258
 257
 256
 255
 254
 253
 252
 251
 250
 249
 248
 247
 246
 245
 244
 243
 242
 241
 240
 239
 238
 237
 236
 235
 234
 233
 232
 231
 230
 229
 228
 227
 226
 225
 224
 223
 222
 221
 220
 219
 218
 217
 216
 215
 214
 213
 212
 211
 210
 209
 208
 207
 206
 205
 204
 203
 202
 201
 200
 199
 198
 197
 196
 195
 194
 193
 192
 191
 190
 189
 188
 187
 186
 185
 184
 183
 182





-3-

क्रेता को मौके पर कब्जा देकर उसे विक्रित वस्तु का पूर्ण स्वामी करिबन बनाया और यथाइच्छा प्रयोग का अधिकार दिया व प्राप्ति स्वयों की बाबत हमारा क्रेता के साथ कोई विवाद शेष नहीं रहा और न भविष्य में होगा। क्रेता को अधिकार होगा कि वह वस्तु उक्त का जिस प्रकार चाहे प्रयोग करे। हम स्कावट न डालेंगे। तथा विक्रित सम्पत्ति पर क्रेता का दाखिल खारिज कराने का हमारा पूर्ण उत्तरदायित्व होगा। प्रतिज्ञा है कि यदि हमारे स्वत्व या अधिकार के प्रभाव के कारण या किसी भागीदार की आपत्ति के कारण या किसी नक्स कानूनी से विक्रित सम्पत्ति कुल या उसका कोई अंश कब्जे क्रेता से निकल जावे या या क्रेता का दाखिल खारिज न करावे तो ऐसी प्रत्येक दशा में क्रेता अपना कुल धन मय 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज व हर्जे खर्चे के हमारे से व हमारी चल अवल सम्पत्ति व हमारे उत्तराधिकारीगण से प्राप्त कर ले। हमें अथवा हमारे उत्तराधिकारीगण को कोई आपत्ति न होगी। विक्रित भूमि सरकारी नजूल वक्त एवं कस्टोडियन सम्पत्ति नहीं है। हम अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से नहीं है। अतः यह पूर्ण बिब्लीपत्र लिख दिया कि प्रमाण हो और समय पर काम आवे। इति। पुनः विक्रित भूमि कृषि सम्पत्ति है।

विवरण सम्पत्ति

भूमि खाता नं० 121 गाटा संख्या 298 रकबा 0-0120 एक तो बीस वर्गमीटर लगानी 0-51 स्पये स्थित ग्राम मौहम्मदपुर हाथक परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठा।

नरन्दर सिंह

देवन्दर सिंह

2025.05.20

24.11.14





9-6 (1914) 114323. 114324.

महोदय महोदय महोदय

7/11/82

690 में शामिल किया गया

692 2192 30

30 7/5

20RS.



-4-

फोटो का सत्यापन जिनेन्द्र कुमार जैन एडवोकेट तहसील सरधना ने
किया है।

नरेन्द्र सिंह

देवेन्द्र सिंह

स-२ बी. ए. ए. डी.
S/O श्री सुमन सिंह
पारम धारावा, मेरठ

Signature
A. B. S.

जिनेन्द्र कुमार जैन
एडवोकेट
सरधना, मेरठ

सदनांक: २२-१-१९९२ बाईस जनवरी सन १९९२ ई०
प्रतिवदा- नरेन्द्र कुमार भुप्ता वगैरे सरधना
टाइप- सुरेन्द्र कुमार वर्मा, सरधना जिला मेरठ।

693 21 92 20
 सा. को. ६०
 साम साय नं. ६९.६ में सामिल किया गया
 गुणोत्तर नमूने के लिये
 सा. ६९.६ में सामिल किया गया



6 N-13
 2 N-11-592

काय दिनांक 21/11/59
 प्रति पत्रक संख्या 243
 के पृष्ठ 238 पर कम संख्या 3387
 पर शिष्टांकित किया गया।

21/11/59
 3387

21/11/59
 3387